मूँगफली की खेती

- खरीफ एवं जायद दोनों मौसम के लिए अनुकूल
- उन्नतशील प्रजातियों का शुद्ध बीज ही प्रयोग करें

प्रजातियाँ

क्र. सं	प्रजातियां	पकने की अवधि	उपज (कु./ हे.)
1.	चंद्रा	130-135	25-30
2.	चित्रा	125-130	25-30
3.	कौशल	108-112	15-20
4.	प्रकाश	115-120	20-25
5.	अम्बर	115-120	35-40
6.	टीजी 37-ए	105-110	20-25
7.	उत्कर्ष	125-130	20-25

खेत की तैयारी

- अच्छे जल निकास वाली कैल्शियम एवं जैव पदार्थो से युक्त बलुई दोमट एवं हल्की दोमट मृदा उत्तम
- एक जुताई मिट्टी पलटने वाले हल तथा 2-3 जुताई कल्टीवेटर या हैरो से

बीज की मात्रा एवं बुवाई

- उन्नतशील प्रजातियों का शुद्ध बीज ही प्रयोग करें
- बीज को हमेशा प्रमाणित एवं विश्वनीय स्रोतों से लें

बीज दर :

- ❖ गुच्छेदार प्रजातियों में
  - 90-100 किलोग्राम / हेक्टर
- ❖ फैलने व अर्द्ध फैलने वाली प्रजातियों में
  - 75-80 किलोग्राम / हेक्टर

बीज शोधन :

- 2 ग्राम थीरम या 1 ग्राम कार्बेन्डाजिम से प्रति किलोग्राम बीज
- राइजोबियम कल्चर के एक पैकेट से 10 किलोग्राम बीज

- बुवाई जून के द्वितीय सप्ताह से जुलाई के प्रथम सप्ताह तक
- देर से पकने वाली प्रजातियों की बुवाई जुलाई के प्रथम सप्ताह में

- **गुच्छेदार प्रजातियों के लिए -**
  - लाइन से लाइन की दूरी 30 सेंटीमीटर
  - पौधे से पौधे की दूरी 10 सेंटीमीटर
- **फैलने व अर्द्ध फैलने वाली प्रजातियों में -**
  - लाइन से लाइन 45 सेंटीमीटर
  - पौधे से पौधे की दूरी 15 सेंटीमीटर

खाद एवं उर्वरक

❖ उर्वरक :

- 20 किलोग्राम नत्रजन / हेक्टेयर
- 60 किलोग्राम फास्फोरस / हेक्टेयर
- 45 किलोग्राम पोटाश / हेक्टेयर
- 250 किलोग्राम जिप्सम / हेक्टेयर
- 4 किलोग्राम बोरेक्स / हेक्टेयर

- नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा तथा जिप्सम की आधी मात्रा बुवाई के समय कूंड में
- जिप्सम की शेष आधी मात्रा तथा बोरेक्स की संपूर्ण मात्रा फसल की 3 सप्ताह की अवस्था में टॉप ड्रेसिंग के रूप में

सिचाई

- प्रारंभिक वानस्पतिक वृद्धि अवस्था
- फूल बनना
- खूंटियां बनना (पेगिंग)
- फली बनने की अवस्था

खरपतवार नियंत्रण

- दो निराई-गुड़ाई
- पहली निराई-गुड़ाई बुवाई के 15 दिन बाद दूसरी निराई-गुड़ाई 30-35 दिन बाद
- खूटियां बनना (पैगिंग) के समय निराई-गुड़ाई नहीं करनी चाहिए

- पेन्डामेथलीन 30 ई.सी. की 3.3 लीटर या एलाक्लोर 50 ई.सी. की 4 लीटर / हेक्टेयर बीज जमाव से पहले भूमि पर छिड़काव

रोग नियंत्रण

- क्राउन रॉट
- चारकोल रॉट
- बड नेक्रोसिस
- टिक्का रोग

क्राउन रॉट

- रोग प्रारंभिक अवस्था अर्थात अंकुरण के समय दिखाई देता है।
- ग्रसित हिस्से पर काली फफूंदी उग जाती है

नियंत्रण

- बीज शोधन

चारकोल रॉट

- रोग नमी की कमी तथा तापक्रम अधिक होने पर फसल की जड़ो में दिखाई देता है
- प्रभावित पौधे में जड़े भूरी होने लगती है और पौधा सूख जाता है।

नियंत्रण

- बीज शोधन
- खेत में नमी बनाये रखना चाहिए

बड नेक्रोसिस

- शीर्ष कलियाँ सूख जाती है, पौधे की बढ़वार रुक जाती है
- पत्तियां छोटी बनती है तथा पत्तियां गुच्छे में निकलती है
- पौधा अंत तक हरा रहता है किन्तु रोग ग्रषित पौधों में फूल- फल नहीं बनते है

नियंत्रण

- बुवाई जून के चौथे सप्ताह से पूर्व नहीं करनी चाहिए
- रोग थ्रिप्स के कारण फैलता है
- थ्रिप्स के नियंत्रण के लिए डाइमेथोएट 30 ई.सी. एक लीटर प्रति हेक्टर की दर से छिड़काव

टिक्का रोग

- पत्तियों पर हल्के भूरे रंग के गोल धब्बे बनते है जिनके चारो तरफ निचली सतह पर पीले घेरे होते है
- उग्र प्रकोप से तने तथा पुष्प शाखाओ पर भी धब्बे बन जाते है

नियंत्रण

- जिनेब 75% घुलनशील चूर्ण 2.5 किलोग्राम अथवा जीरम 27% 3 लीटर प्रति हेक्टेयर

कीट नियंत्रण

- सफ़ेद गिडार
- दीमक
- हेयरी कैटरपिलर

सफ़ेद गिडार

- गिडारे पौधों की जड़े खाकर पूरे पौधे को सुखा देती है
- प्रौढ़ मूंगफली की फसल को हानि नहीं करता

रोकथाम

- बुवाई के 3-4 घंटे पूर्व क्लोरपायरीफास 20 ई.सी. या क्यूनालफास 25 ई.सी. 25 मिलीलीटर मात्रा प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीज को उपचारित करके बुवाई करनी चाहिए

- खड़ी फसल में प्रकोप होने पर क्लोरपायरीफास या क्यूनालफास रसायन की 4 लीटर मात्रा प्रति हेक्टर की दर से सिचाई के पानी के साथ प्रयोग करना चाहिए

हेयरी कैटरपिलर

- यह कीट पत्तियों को छेदकर छलनी कर देते है, फलस्वरूप पत्तियां भोजन बनाने में अक्षम

दीमक

- सूखे की स्थिति में जड़ो तथा फलियों को काटती है
- जड़ कटने से पौधे सूख जाते है
- फली के अंदर गिरी के स्थान पर मिट्टी भर देती है

रोकथाम

- बुवाई के 3-4 घंटे पूर्व क्लोरपायरीफास 20 ई.सी. या क्यूनालफास 25 ई.सी. 25 मिलीलीटर मात्रा प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीज को उपचारित करके बुवाई करनी चाहिए

- खड़ी फसल में प्रकोप होने पर क्लोरपायरीफास या क्यूनालफास रसायन की 4 लीटर मात्रा प्रति हेक्टर की दर से सिचाई के पानी के साथ प्रयोग करना चाहिए

खुदाई एवं उपज

- फलियों के अंदर का टेनिन का रंग उड़ जाये तथा मूंगफली के छिलके के ऊपर की नसे उभर आये तो खेत में हल्की सिचाई करके खुदाई करनी चाहिए
- खरीफ में 25-30 कुंतल / हेक्टेयर